कवर = Blue Assinment = Hindi (Class - VII)
All work in copy पाठ - 1 (भाषा, बोली, लिपि तथा व्याकरण)

प्र० उ० लिखो - (in copy)

1- भाषा किसे कहते हैं ? इसके भेद भी लिखिए ।
उत्तर :- मन के भावों और विचारों को अभिव्यक्त करने या ग्रहण करने के साधन को भाषा कहते हैं। ये दो प्रकार के होते हैं। ① मौखिक ② लिखित

② भाषा और बोली में क्या अन्तर है ?
उत्तर :- संसार के सभी प्राणियों के लिए भाषा विचारों के आदान-प्रदान का प्रमुख साधन है, जबकि बोली का प्रयोग सीमित क्षेत्र में होता है और बोली का अपना कोई व्याकरण नहीं होता है।

③ साहित्य किसे कहते हैं ?
उत्तर :- ज्ञानराशि के संचित कोश को साहित्य कहते हैं।

④ भाषा और व्याकरण का संबंध स्पष्ट कीजिए ।
उत्तर :- व्याकरण ' वि + आ + करण अर्थात भाषा को विशिष्ट आकार देना। भाषा को नियमों में बाँधने का काम व्याकरण द्वारा किया जाता है। प्रारंभ में व्याकरण भाषा के प्रयोग के अनुसार बनाया जाता है तथा बाद में व्याकरण के नियमों के अनुसार भाषा बोली और लिखी जाती है जिससे शुद्धता और एकरूपता बनी रहे।

⑤ व्याकरण का ज्ञान होना आवश्यक क्यों है ?
उत्तर :- किसी भी भाषा के शुद्ध रूप के प्रयोग के लिए व्याकरण का ज्ञान होना आवश्यक है।

भाषाएँ और उनकी लिपियाँ लिखिए :- in Book - (Pg. 8) (in copy)
अंग्रेजी = रोमन // उर्दू = फ़ारसी // हिंदी = देवनागरी // पंजाबी = गुरुमुखी

निम्न वाक्यों को पढ़कर ✓ या × का निशान लगाओ :- (in copy)
(क) सामान्य बातचीत में भाषा के लिखित रूप प्रयोग होता है। [×]
(ख) भाषा का शुद्ध ज्ञान व्याकरण से होता है। [✓]
(ग) बोली का प्रयोग एक सीमित क्षेत्र में होता है। [✓]
(घ) व्याकरण के चार अंग होते हैं। [✓]
(ङ) हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा है। [✓]
(च) मौखिक भाषा में केवल ध्वनियों का प्रयोग होता है। [×]

निम्न लिखित के सामने 'भाषा / बोली' जो उचित हो लिखिए । (in copy)

तमिल	= भाषा	मारवाड़ी	= बोली
मलयालम	= भाषा	तेलगु	= भाषा
गुजराती	= भाषा	भोजपुरी	= भाषा
बंगाली	= भाषा	कोंकणी	= भाषा
संस्कृत	= भाषा	मणिपुरी	= भाषा
हरियाणवी	= भाषा	कन्नौजी	= बोली
बघेली	= बोली	अवधी	= बोली

रिक्त स्थानों की पूर्ति करो :- (in copy)
(क) भाषा का शुद्ध ज्ञान व्याकरण के बिना अधूरा है।
(ख) बोली भाषा का क्षेत्रीय रूप है।
(ग) लिखित भाषा में चिह्न का प्रयोग होता है।
(घ) देवनागरी लिपि में संस्कृत भाषा लिखी जाती है।
(ङ) ब्रज भाषा का प्रयोग सूरदास ने किया।

पाठ - २ - वर्ण-विचार All work in Copy

प्र० उ० लिखो :-

1) वर्ण किसे कहते हैं? हिंदी वर्णमाला में कितने वर्ण होते हैं?
उत्तर :- वह छोटी से छोटी ध्वनि जिसके और टुकड़े नहीं हो सकते, वर्ण कहलाते हैं। हिंदी वर्णमाला में कुल 52 वर्ण होते हैं।

2) अनुस्वार और अनुनासिक के उच्चारण में अंतर बताइए।
उत्तर :- अनुस्वार का उच्चारण नाक से होता है जबकि अनुनासिक का उच्चारण नाक और मुँह दोनों से होता है।

3) दिए गए वाक्यों में सही वाक्य के सामने ✓ का और गलत के सामने × का निशान लगाइए।
(क) अलग-अलग भाषाओं में वर्णों की संख्या अलग-अलग होती है। ☒
(ख) स्वर वर्णों का उच्चारण स्वतंत्र रूप से नहीं होता है। ☒
ग) हिंदी वर्णमाला में कुल 52 वर्ण होते हैं। ☑
(घ) वर्ण ध्वनि के अनेक टुकड़े हो सकते हैं। ☒
ङ) शब्द में प्रयुक्त वर्णों को अलग-अलग लिखने को वर्ण संयोग कहते हैं। ☒
च) य र ल व् अंतःस्थ व्यंजन हैं। ☑

खाली स्थान भरो :-
(क) हिंदी वर्ण माला में कुल बावन वर्ण हैं।
(ख) मूल स्वर वर्णों की संख्या ग्यारह है।
(ग) क से म तक सभी स्पर्श व्यंजन हैं।
(घ) प्रत्येक वर्ग के प्रथम, तृतीय, और पंचम वर्ण को अल्पप्राण व्यंजन कहते हैं।
ङ) दो भिन्न व्यंजन वर्णों के संयोग को संयुक्त व्यंजन कहते हैं।
च) किसी शब्द के वर्णों को अलग-अलग लिखने की प्रक्रिया को वर्ण-विच्छेद कहते हैं।

निम्न वर्णों को उचित शीर्षक के अंतर्गत लिखिए।
अल्पप्राण :- क, ङ, च, ज, ट, ण, ढ़, न, य, र, ब
महाप्राण :- ख, झ, ठ, ध, स, श, ढ़े, ह

स्वर और व्यंजन से आरंभ होने वाले कुल शब्द लिखो :-
स्वर से शुरू होने वाले शब्द :- आगरा, उद्देश्य, ईख, इकट्ठा, ऋतु, अभिमान, उन्नति, आशीर्वाद, अश्विनी।
व्यंजन से शुरू होने वाले शब्द :- विद्यालय, प्रकृति, डॉक्टर, संज्ञा, रामेश्वर, विद्यार्थी, प्रहलाद

निम्न वर्णों के मेल से बनने वाले शब्द लिखिए :-
क् + ष = क्षत्रिय, क्षमा
श् + र = श्रृंगार, श्रेया
द् + ध = बुद्ध, शुद्ध
स् + र = सहस्र,
त् + र = मात्रा, त्रिगुण
द् + य = विद्या, विद्यार्थी
ज् + ञ = ज्ञान, आज्ञा
द् + व = द्वितीय, द्वारा

सही वर्ण-विच्छेद करिए :-
(क) विद्यार्थी = व् + इ + द् + य् + आ + र् + थ् + ई
(ख) कक्षा = क् + अ + क् + ष् + आ
ग) बच्चा = ब् + अ + च् + च् + आ
(घ) त्रिदेव = त् + र् + इ + द् + ए + व् + अ
ङ) प्रेम = प् + र् + ए + म् + अ